Series : QR1SP

SET-2

प्रश्न-पत्र कोड **2/1/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

{}

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **12** प्रश्न हैं ।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (आधार)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

(i) *यह प्रश्न-पत्र तीन खंडों में विभाजित है ।*

(ii) ***खंड – क** में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

(iii) ***खंड – ख** में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।*

(iv) ***खंड – ग** में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।*

(v) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

(vi) *यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।*

खंड – क

(अपठित बोध) (18)

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8

धूप चमकती है चाँदी की साड़ी पहने

मैके में आई बेटी की तरह मगन है

फूली सरसों से आके लिपट गई है

जैसे दो हमजोली सखियाँ गले मिली हैं

सारंगी बजती है खेतों की गोदी में
दल–के–दल पक्षी उड़ते हैं मीठे स्वर के
अनावरण यह प्राकृत छवि की अमर भारती
रंग–बिरंगी पंखुरियों की खोल चेतना
सौरभ से मह–मह महकाता है दिगंत को
मानव–मन को भर देता है दिव्य दीप्ति से
शिव के नंदी–सा पानी पीता नदिका में
निर्मल नभ अवनी के ऊपर बिसुध खड़ा है
काल काग की तरह ठूँठ पर गुमसुम बैठा
सोई आँखों देख रहा है दिवावसान को ।

(i) काव्यांश में धूप को किस रूप में चित्रित किया गया है ? 1

(A) चाँदी की साड़ी के रूप में

(B) फूली सरसों के रूप में

(C) मैके में आई बेटी के रूप में

(D) हमजोली सखी के रूप में

(ii) फूली हुई सरसों से आकर कौन लिपट गई ? 1

(A) धूप

(B) हवा

(C) बेटी

(D) चाँदनी

(iii) खेतों की गोदी में सारंगी बजती है – 1

(A) खेतों के बीच से गुजरती हवा की ध्वनि की

(B) खेतों के ऊपर उड़ते पक्षियों के मीठे स्वरों की

(C) पक्षियों को उड़ाने के लिए किसान की बाँसुरी की

(D) पक्षियों को बुलाने के लिए छोटे बच्चों की

(iv) ठूँठ पर बैठे काल की तुलना किससे और किस आधार पर की गई है ? 1

(v) नदी में पड़ते आकाश के प्रतिबिंब के बारे में कवि ने क्या कल्पना की है ? स्पष्ट कीजिए । 2

(vi) काव्यांश के आधार पर ग्रामीण प्रकृति के सौंदर्य का वर्णन कीजिए । 2

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **10**

संस्कृति और सभ्यता – ये दोनों दो शब्द हैं और उनके अर्थ भी अलग–अलग हैं । सभ्यता मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी बाहरी उन्नति करता है । संस्कृति मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी भीतरी उन्नति करता है, दया, ममता और परोपकार आदि सीखता है, गीत–नाद, कविता, चित्र और मूर्ति से आनन्द लेने की योग्यता हासिल करता है । एक वह भी समय था जब आदमी को घर बनाना नहीं आता था, जब वह पेड़ की छाया या पहाड़ की खोह में वास करता था; जब खेती करना भी नहीं आता था और वह कन्द–मूल खाकर गुजारा करता था; जब उसे कपड़ा बुनना भी नहीं आता था और वह या तो निर्वस्त्र रहता था या पेड़ों की छाल या जानवरों की खाल पहनकर रहता था । इस हालत को मनुष्य की असभ्यता की हालत कहते हैं । लेकिन, इस हालत से निकलकर आदमी ज्यों–ज्यों आगे बढ़ा, त्यों–त्यों वह सभ्य होता गया । यानी जब आदमी खेती करके अनाज उपजाने लगा, अनाज को आग से पकाकर खाने लगा, घर बनाकर रहने और कपड़े बुनकर उन्हें पहनने लगा, तब वह असभ्यता से निकलकर सभ्यता की ओर आने लगा । आज भी रेलगाड़ी, मोटर और हवाई जहाज, लंबी–चौड़ी सड़कें और बड़े–बड़े मकान, अच्छा भोजन और अच्छी पोशाक, ये सभ्यता की पहचान हैं और जिस देश में इनकी जितनी ही अधिकता है उस देश को हम उतना ही सभ्य मानते हैं । मगर, संस्कृति इन सबसे भिन्न है । वह मोटर नहीं, मोटर बनाने की कला है; मकान नहीं, मकान बनाने की रुचि है । भोजन की सामग्री हम सभ्यता के जरिये पैदा करते हैं, लेकिन जिस ढंग से हम भोजन तैयार करते हैं और जिस कला से हम उसे खाते हैं वह हमारी संस्कृति कहलाती है ।

(i) संस्कृति सभ्यता से भिन्न है क्योंकि संस्कृति – 1

(A) सभ्यता की अपेक्षा स्थूल और विशद होती है ।

(B) सभ्यता की अपेक्षा अत्यंत सूक्ष्म होती है ।

(C) समन्वयमूलक है और सभ्यता सूक्ष्म होती है ।

(D) आदर्शमूलक है और सभ्यता यथार्थ होती है ।

(ii) गद्यांश के अनुसार 'सभ्यता' का अभिप्राय क्या है ? 1

(A) मानव को कलाकार बना देने की विशेषता

(B) मानव के स्वाधीन चिंतन की गाथा

(C) मनुष्य की ऐश्वर्यपूर्ण कहानी

(D) मनुष्य के भौतिक विकास का क्रम

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यान से पढ़िए और सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : 1

कथन : संस्कृति से मनुष्य दया, ममता, परोपकार आदि गुण और कला का रसास्वादन करना सीखता है ।

कारण : संस्कृति मनुष्य के मानवीय मूल्यों और कौशल का विकास करती है ।

(A) कथन सही है, कारण गलत है ।

(B) कथन गलत है, कारण सही है ।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(D) कथन और कारण दोनों गलत हैं ।

(iv) 'सभ्यता' और 'संस्कृति' के अंतर को उचित उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए । **1**

(v) 'सभ्यता और संस्कृति दोनों साथ-साथ चलते हैं' – कैसे ? उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि कीजिए । **2**

(vi) "संस्कृति असल में शरीर का नहीं आत्मा का गुण है ।" इस कथन को गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **2**

(vii) सभ्यता के विकास से पूर्व मनुष्य की क्या स्थिति थी ? सभ्यता के विकास के क्या परिणाम हुए ? **2**

खंड – ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न) **(22)**

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : $4 \times 2 = 8$

(i) 'रेडियो मूलत: एकरेखीय (लीनियर) माध्यम है ।' – कैसे ?

(ii) एंकर-बाइट से क्या तात्पर्य है ?

(iii) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग को समझाते हुए दोनों में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(iv) पाठकों का स्थायी स्तंभ कौन-सा होता है और कैसे ? उल्लेख कीजिए ।

(v) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट किसे कहते हैं ?

4. निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : **6**

(i) जंक फूड का बढ़ता चलन

(ii) महानगरों का बढ़ता आकर्षण

(iii) बाज़ारों का बदलता स्वरूप

5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **80** शब्दों में लिखिए : **2 × 4 = 8**

(i) 'अप्रत्याशित विषयों पर लिखने से लेखन पर पकड़ मजबूत होती है ।' – कैसे ? स्पष्ट कीजिए ।

(ii) कहानी के पात्रों के नाट्य रूपांतरण में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? स्पष्ट कीजिए ।

(iii) रेडियो नाटक के लिए कहानी का चयन करते समय किन महत्त्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना आवश्यक है और क्यों ?

खंड – ग

(पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न) (40)

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(i) रोमांचित शरीर का संगीत बच्चों को किस प्रकार जीवन तरंग से जोड़ता है ? 'पतंग' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।

(ii) 'विप्लव-रव से छोटे ही हैं शोभा पाते' पंक्ति का आशय 'बादल राग' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(iii) 'बात सीधी थी पर' कविता के संदर्भ में लिखिए कि बात शरारती बच्चे की तरह किस प्रकार लेखक से खेल रही थी ?

7. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

भोर का नभ

राख से लीपा हुआ चौका

(अभी गीला पड़ा है)

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से

कि जैसे धुल गई हो

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक

मल दी हो किसी ने

नील जल में या किसी की

गौर झिलमिल देह

जैसे हिल रही हो ।

(i) काव्यांश में 'काली सिल' उपमान किसके लिए प्रयुक्त किया गया है ?

(A) अंधकार से युक्त प्रकृति

(B) अँधेरे से युक्त आसमान

(C) अंधकार से युक्त पृथ्वी

(D) रात्रि का अंधकार

(ii) 'बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से' – पंक्ति का सही अर्थ है –

(A) भोर का आकाश लालिमा से युक्त है ।

(B) भोर का आकाश काला है ।

(C) भोर में केसर को धोया गया है ।

(D) भोर में काली सिल को धोया गया है ।

(iii) इस काव्यांश में कवि ने उषा का कौन–सा चित्र प्रस्तुत किया है ?

(A) छायाचित्र

(B) रेखाचित्र

(C) शब्दचित्र

(D) भित्तिचित्र

(iv) कवि द्वारा भोर को 'राख से लीपा हुआ चौका' कहना प्रतिपादित करता है कि भोर का नभ :

(A) अपनी आभा से चमत्कृत कर रहा है ।

(B) प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ा रहा है ।

(C) सफेद व नीले वर्णों का अद्भुत मिश्रण है ।

(D) नए परिवर्तनों व आयामों का प्रतीक है ।

(v) 'नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह' – का वर्णन किस अनुभूति से संबंधित है ?

(A) निर्मलता और उज्ज्वलता

(B) कृत्रिमता और पवित्रता

(C) कोमलता और सुंदरता

(D) विस्मय और रहस्य

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(i) "सब घर एक कर देना" – पंक्ति का बच्चों और कविता के संदर्भ में क्या औचित्य है ? 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर लिखिए ।

(ii) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता को आप करुणा की कविता मानते हैं या क्रूरता की ? तर्क सहित उत्तर लिखिए ।

(iii) 'तुलसीदास का युग बेरोज़गारी से त्रस्त था' – 'कवितावली' के संदर्भ में इस कथन को सिद्ध कीजिए ।

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(i) "भक्तिन का जीवन संघर्ष एवं कर्मठता का जीवंत उदाहरण है ।" – भक्तिन के जीवन की विभिन्न स्थितियों का वर्णन करते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(ii) 'पानी का दान' क्या है ? 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर लिखिए कि जीजी इसे किस प्रकार सही ठहराती हैं ?

(iii) 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ में आज के उद्योगों की सबसे बड़ी समस्या किसे और क्यों माना गया है ?

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(i) 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर भगत जी के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ii) 'शिरीष के फूल' निबंध के आधार पर लिखिए कि पाठ में शिरीष के फूल की तुलना किससे और क्यों की गई है ?

(iii) " 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता ।" इस कथन के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' में 'दासता' को किन व्यापक अर्थों में परिभाषित किया है ?

11. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी । निस्तब्धता करुण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी । आकाश में तारे चमक रहे थे । पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं । आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी । अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे ।

सियारों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज़ कभी-कभी निस्तब्धता को अवश्य भंग कर देती थी । गाँव की झोंपड़ियों से कराहने और कै करने की आवाज़, 'हरे राम ! हे भगवान !' की टेर अवश्य सुनाई पड़ती थी । बच्चे भी कभी-कभी निर्बल कंठों से 'माँ-माँ' पुकारकर रो पड़ते थे । पर इससे रात्रि की निस्तब्धता में विशेष बाधा नहीं पड़ती थी ।

कुत्तों में परिस्थिति को ताड़ने की एक विशेष बुद्धि होती है । वे दिन-भर राख के घूरों पर गठरी की तरह सिकुड़कर, मन मारकर पड़े रहते थे । संध्या या गंभीर रात्रि को सब मिलकर रोते थे ।

(i) अँधेरी रात चुपचाप आँसू क्यों बहा रही थी ?

(A) जंगली पशुओं की डरावनी आवाज के कारण

(B) प्रकृति की असमर्थता व विवशता के कारण

(C) महामारी के कारण गाँव वालों की असहाय स्थिति से दुखी होने के कारण

(D) रात में व्याप्त अंधकार और सन्नाटे के डर के कारण

(ii) स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

स्तंभ-I	**स्तंभ-II**
क. प्रकाश का नाम नहीं	(i) हार न मानना
ख. तारे की ज्योति और शक्ति का शेष होना	(ii) आशा और जिजीविषा का अभाव
ग. चित न होना	(iii) पीड़ित गाँव वालों की मदद न कर पाना

विकल्प :

(A) क-(iii), ख-(i), ग-(ii)

(B) क-(ii), ख-(iii), ग-(i)

(C) क-(i), ख-(ii), ग-(iii)

(D) क-(i), ख-(iii), ग-(ii)

(iii) रात्रि के भयावहपन का उल्लेख किस प्रभाव को दर्शाने के लिए किया गया है ?

(A) महामारी की भयानकता और दुष्प्रभाव का उल्लेख करने हेतु

(B) निस्तब्धता में मानवीय पीड़ा की झलक दिखाने हेतु

(C) रात्रि में भी गाँव में हलकी चहल-पहल बताने हेतु

(D) रात में बच्चों के उत्साह व निडरता का प्रदर्शन करने हेतु

(iv) गद्यांश में इनमें से किसका उल्लेख नहीं मिलता है ?

(A) रात्रि की निस्तब्धता

(B) तारों की भावुकता

(C) उत्तेजना युक्त उत्साह

(D) आहों का हृदय में दबना

(v) 'पेचक की डरावनी आवाज़' का प्रतीकार्थ है –

(A) जीव-जंतुओं की सक्रियता

(B) मृत्यु या अनिष्ट की आहट

(C) पक्षियों की स्वाभाविक ध्वनि

(D) ग्रामीण परिवेश की सजीवता

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में लिखिए : **2 × 5 = 10**

(i) " 'सिल्वर वैडिंग' कहानी का कथानक आधुनिक पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण एवं बदलते मानवीय मूल्यों पर आधारित है ।" इस कथन को स्पष्ट करते हुए उन मूल्यों का उल्लेख कीजिए जो वर्तमान में बदल रहे हैं ।

(ii) पाठशाला पहुँचकर 'जूझ' कहानी के लेखक को किन–किन परेशानियों का सामना करना पड़ा ? लेखक किन विशेषताओं के कारण उन परिस्थितियों में भी अडिग रहे ?

(iii) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिंधु घाटी सभ्यता की जल व्यवस्था का वर्णन करते हुए स्पष्ट कीजिए कि वर्तमान में जल–संरक्षण की आवश्यकता क्यों हो गई है ?